मसीही आराधना का परिचय

उत्तर कुंजी

shepherds
GLOBAL CLASSROOM

पाठ 1

आराधना को परिभाषित करना

(1) इस पाठ की आरम्भ में आपको आराधना की तीन परिभाषाएँ दी गई थीं। आपको जो परिभाषा याद हो गई हो, उसे लिखिए। (कोई एक)

- आराधना, स्नातन परमेश्वर के प्रति मनुष्य की प्रेममय प्रतिक्रिया है।
- आराधना, परमेश्वर के प्रति इच्छुक प्रत्युत्तर से अपने हृदय को ऊपर उठाना है।
- आराधना, परमेश्वर के प्रति हमारी संपूर्णता की प्रतिक्रिया है।

(2) बाइबल आधारित आराधना के चार पहलुओं की सूची बनाएँ। (कोई चार)

- आराधना आदर-सूचक समर्पण है।
- आराधना सेवा है।
- आराधना स्तुति है।
- आराधना संगति है।
- आराधना में सम्पूर्ण जीवन शामिल होता है।

(3) जब सामरी स्त्री ने आराधना के भौतिक स्थान के बारे में तर्क किया, तो यीशु ने आराधना के **आत्मिक** स्थान की ओर संकेत किया।

(4) भजन संहिता में, **स्तुति** शब्द का प्रयोग प्रायः आराधना के आनंद को दर्शाने के लिए किया जाता है।

(5) याकूब के अनुसार, शुद्ध और निष्कलंक आराधना में कौन से दो पहलू शामिल हैं?

- व्यावहारिक सेवा।
- प्रतिदिन आज्ञाकारिता।

(6) आराधना आवश्यक है इसके चार कारण बताएँ।

- हम आराधना में परमेश्वर को देखते है।
- आराधना में हम स्वयं को देखते हैं और रूपांतरित हो जाते हैं।
- हम आराधना में हमारे संसार को देखेते हैं।
- आराधना में विफलता हमें परमेश्वर से अलग कर देती है।

(7) इस पाठ के अनुसार, आराधना की तीन विशेषताएँ क्या हैं जो परमेश्वर को ग्रहणयोग्य हैं?

- ग्रहणयोग्य आराधना परमेश्वर पर केंद्रित होती है।
- ग्रहणयोग्य आराधना परमेश्वर को वह महिमा देती है जिसके वह योग्य है।
- ग्रहणयोग्य आराधना आत्मा और सच्चाई से की गई आराधना होती है।

(8) याद किया हुआ यूहन्ना 4:23-24 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 2

परमेश्वर और आराधक

(1) प्रकाशितवाक्य अध्याय 4 के भजन में हम सृष्टिकर्ता परमेश्वर के बारे में जो तीन बातें सीखते हैं, उन्हें सूचीबद्ध करें।

- सृष्टिकर्ता सर्वोच्च है।
- सृष्टिकर्ता पवित्र है।
- सृष्टिकर्ता अनन्त है।

(2) प्रकाशितवाक्य अध्याय 5 में उद्धारक की आराधना करने के तीन कारणों की सूची बनाएं।

- वह कौन है इस कारण से हम उद्धारकर्ता की आराधना करते हैं।
- वह कहाँ है इस कारण से हम उद्धारकर्ता की आराधना करते हैं।
- उसने क्या किया है इस कारण से हम उद्धारकर्ता की आराधना करते हैं।

(3) मसीहियों के लिए प्रकाशितवाक्य का मुख्य संदेश क्या है?

परमेश्वर की अंतिम विजय

(4) भजन संहिता 15 एक धार्मिक भजन है जो तीन भागों में विभाजित है। तीनों भागों की सूची बनाइए।

प्रश्न: कौन आराधना कर सकता है?

उत्तर: आराधक का विवरण

अंतिम टिप्पणी: आराधक से किया गया वादा

(5) उस आराधक का रवैया क्या है जो समझता है कि वह परमेश्वर की उपस्थिति में एक मेहमान है?

विनम्रता

(6) भजन संहिता 15:2-5 से एक सच्चे आराधक की दो महत्वपूर्ण विशेषताएँ क्या हैं?

- एक सच्चा आराधक ईश्वरीय जीवन व्यतीत करता है।
- एक सच्चा आराधक समाज के साथ सही सम्बन्ध में रहता है।

(7) यीशु ने फरीसियों को पाखंडी क्यों कहा?

- उनकी आराधना बाहरी थी, हृदय से नहीं (मत्ती 15:8)।
- उनकी आराधना मानवीय परम्परा पर आधारित थी, परमेश्वर की आज्ञाओं पर नहीं।

(8) याद किया हुआ प्रकाशितवाक्य 5:9-14 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 3

पुराना नियम में आराधना

(1) इस पाठ से, बाइबल में दी गई आराधना के दो उदाहरण बताइए जिन्हें परमेश्वर ने अस्वीकार कर दिया था। (कोई दो)

- कैन की भेंट
- हारून का सोने का बछड़ा
- नादाब और अबीहू की निषिद्ध अग्नि
- उज्जिय्याह का धूप जलाना
- निर्वासन के बाद यहूदियों की विकृत बलि

(2) शब्द परमेश्वर *के साथ चलना* यह दिखाता है कि आराधना में परमेश्वर के साथ एक **सम्बन्ध** शामिल है।

(3) इस पाठ से, तीन अयोग्य लोगों के नाम बताइए जिन्हें परमेश्वर ने कृपा करके अपनी आराधना करने के योग्य बनाया।

- आदम और हव्वा
- अब्राहम
- याकूब

(4) अब्राहम द्वारा इसहाक की बलि चढ़ाना दर्शाता है कि सच्ची आराधना के लिए पूर्ण **आज्ञाकारिता** ज़रूरी है।

(5) हाबिल की आराधना और कैन की आराधना में क्या अंतर था?

- हाबिल ने आज्ञाकारी होकर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।
- कैन अपना कर्तव्य यथासंभव सरल तरीके से पूरा करना चाहता था।

(6) आराधक द्वारा बलि दिए जाने वाले पशु के सिर पर हाथ रखने का क्या महत्व था?

आराधक स्वयं को बलिदान की मृत्यु के साथ जोड़ता था।

(7) घोषणात्मक स्तुति और वर्णनात्मक स्तुति दोनों की परिभाषाएँ दें।

घोषणात्मक स्तुति: स्तुति या स्तुति करने का आदेश जो स्पष्ट नहीं है

वर्णनात्मक स्तुति: परमेश्वर के चरित्र और महान कार्यों के लिए स्पष्ट स्तुति है

(8) भविष्यवक्ता बताते हैं कि परमेश्वर के संदेश की **घोषणा** करना ही आराधना है।

(9) आराधना के विषय भविष्यवक्ताओं के संदेश के तीन पक्ष बताएँ।

- वास्तविकता के बिना क्रियापद्धति आराधना नहीं है।
- सच्ची आराधना के लिए हमारे सर्वोत्तम प्रयास की आवश्यकता होती है।
- सच्ची आराधना में सम्पूर्ण जीवन शामिल होता है।

(10) आराधना मे दो खतरनाक असंतुलनों की सूची बनाएँ।

- अत्यधिक अनियत आराधना
- अत्यधिक दिखाऊ आराधना

(11) याद किया हुआ मीका 6:6-8 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 4

नया नियम में आराधना

(1) यीशु ने सच्ची उपासना का उदाहरण तीन प्रमुख तरीकों से प्रस्तुत किया की सूची बनाएँ (कोई तीन)

- यीशु को आराधना स्थल बहुत प्रिय था
- यीशु ने परमेश्वर के अलावा किसी और की या किसी चीज़ की आराधना करने से इनकार किया।
- यीशु आदतन प्रार्थना करते थे।
- यीशु ने सच्ची आराधना का व्याख्यान किया।
- यीशु ने झूठी आराधना को फटकारा।

(2) यीशु की शिक्षा और उदाहरण हमें सच्ची आराधना के विषय क्या याद दिलाते हैं?

सच्ची आराधना केवल परमेश्वर की ही है।

(3) कौन से दो कथन आराधना और सुसमाचार प्रचार के बीच के सम्बन्ध का सारांश प्रस्तुत करते हैं?

- सच्ची आराधना सुसमाचार प्रचार को प्रेरित करती है।
- प्रभावशाली सुसमाचार प्रचार आराधकों जन्म देता है।

(4) प्रेरितों के काम अध्याय 17 में एथेंस की झूठी आराधना का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

- ऐथेंस के लोग बहुत धार्मिक थे।
- ऐथेंस के लोग अज्ञानतापूर्वक आराधना करते थे।
- ऐथेंस के लोग एक अपर्याप्त देवता की पूजा करते थे।

(5) प्रेरितों के काम अध्याय 17 में सच्चे परमेश्वर का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

- परमेश्वर सृष्टिकर्ता है।
- परमेश्वर निकट है।
- परमेश्वर उनका न्याय करेगा जो पश्चाताप करने से इनकार करते हैं।
- परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जीवित किया।

(6) पत्रियों में आरंभिक मसीही आराधना के पाँच तत्वों की सूची बनाएँ। (कोई भी पाँच)

- बाइबल पठन
- परमेश्वर के वचन का प्रचार
- सार्वजनिक प्रार्थना
- भजन गाना
- भेंट/दान देना
- बपतिस्मा
- प्रभु भोज

(7) एशिया माइनर की कलीसियाओं में आराधना में आने वाली बाधाओं के दो उदाहरण बताइए। (कोई दो)

- प्रेम की कमी
- झूठी शिक्षा
- मृत-कर्म
- उत्साह की कमी

(8) याद किया हुआ रोमियों 12:1-2 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 5

कलीसिया के इतिहास में आराधना

(1) जस्टिन मार्टियर द्वारा वर्णित दूसरी शताब्दी की आराधना के तीन तत्वों की सूची बनाएँ। (कोई तीन)

- पवित्रशास्त्र पढ़ना
- उपदेश
- प्रार्थना
- प्रभु भोज
- दान देना

(2) मध्य युग में आराधना की तीन कमजोरियाँ बताइए। (कोई तीन)

- आत्मिकता की तुलना में सुंदरता को अधिक महत्व दिया गया।
- लोग सभाओं को समझ नहीं पाते थे।
- कलीसिया केवल मूक-दर्शक थी, सक्रिय आराधक नहीं।
- सुसमाचार का स्थान परंपरागत रीतियों ने ले लिया।

(3) विश्वासियों के पुरोहिताई से संबंधित धर्मसुधार की दो मुख्य चिंताएँ क्या थीं?

- विश्वासी सीधे परमेश्वर की आराधना करें।
- परमेश्वर का वचन प्रत्येक विश्वासी के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

(4) सुधार आंदोलन में उस समूह (समूहों) की पहचान करें जो प्रत्येक विवरण से सबसे अच्छी तरह मेल खाता हो।

- बाइबल में निषिद्ध न की गई किसी भी आराधना पद्धति की अनुमति: **लूथरन और एंग्लिकन**
- ऐसी किसी भी आराधना पद्धति को अस्वीकार कर दिया जिसका बाइबल में विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया है: **केल्विन और उसके अनुयायी**
- अधिकांश रीति-रिवाजों को अस्वीकार कर दिया। कभी-कभी केवल निजी घरों में ही आराधना करते थे: **एनाबैप्टिस्ट और प्यूरिटन**

(5) मुक्त-चर्च आराधना की तीन विशेषताओं की सूची बनाएँ।

- प्रचार करना महत्वपूर्ण था।
- मण्डली की भागीदारी महत्वपूर्ण थी।
- सभी आराधनाएँ लोगों की भाषा में होती थीं।

(6) आरंभिक मेथोडिस्ट आराधना के तीन प्रमुख पहलुओं की सूची बनाएँ। (कोई तीन)

- प्रवचन
- नियमित प्रभु भोज
- भजन गाना
- छोटे समूह
- सामूहिक आराधना
- सुसमाचार प्रचार

(7) आरंभिक अमेरिका में आराधना की तीन विशेषताएँ बताइए। (कोई तीन)

- संप्रदायों और आराधना के औपचारिक रूपों से स्वतंत्रता।
- प्रभु भोज के दुर्लभ अवसर।
- वचन का प्रचार।
- उत्साहपूर्ण गायन।
- प्रार्थना, सुसमाचार प्रचार और बेदारी।

(8) याद किया हुआ भजन संहिता 100:1-5 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 6

आराधना में संगीत

(1) बाइबल से किन्हीं तीन गीतों की सूची बनाएँ।

(इस पाठ में वर्णित कोई भी गीत)

(2) दो धर्मज्ञान सिद्धांतों की सूची बनाइए जिन्हें हमारे आराधना संगीत में प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

- विश्वासी के पुरोहितत्व
- कलीसिया की एकता

(3) आराधना में संगीत के चार व्यावहारिक कारण बताएँ।

- संगीत मन से बात करता है।
- संगीत हृदय से बात करता है।
- संगीत शरीर से बात करता है।
- संगीत इच्छाशक्ति से बात करता है।

(4) चार सिद्धांतों की सूची बनाएँ जो आराधना के लिए संगीत के चयन में हमारी सहायता करेंगे। (कोई चार)

- आराधना के गीत का शब्द-संदेश स्पष्ट रूप से सत्य को प्रकट करना चाहिए।
- आराधना संगीत की शैलियाँ भिन्न हो सकती हैं।
- प्रत्येक शैली प्रत्येक परिस्थिति के लिए उपयुक्त नहीं होती।
- हमारे आराधना संगीत में संतुलन होना चाहिए।
- चर्च का सबसे महत्वपूर्ण संगीत सामूहिक गायन है।
- संगीत को शब्दों के साथ मेल खाना चाहिए।

(5) कुलुस्सियों 3:16 में पौलुस ने कौन से तीन प्रकार के गीतों की सूची दी है?

- भजन
- स्तुतिगान
- आत्मिक गीत

(6) हमारे आराधना संगीत की अंतिम परीक्षा क्या है?

परमेश्वर की महिमा

(7) बाइबल में वर्णित गीतों के आधार पर, तीन तरीके बताइए जिनसे संगीत को अलग-अलग श्रोताओं से बात करनी चाहिए।

- संगीत को परमेश्वर की स्तुति प्रकट करनी चाहिए।
- संगीत को कलीसिया के सामने सत्य को घोषित करना चाहिए।
- संगीत को संसार के सामने सुसमाचार को घोषित करना चाहिए।

(8) कुलुस्सियों 3:16 आराधना संगीत के उद्देश्य के विषय क्या सिखाता है?

हमें अपने संगीत से एक दूसरे को सिखाना और समझाना चाहिए।

(9) याद किया हुआ कुलुस्सियों 3:15-17 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 7

आराधना में पवित्रशास्त्र और प्रार्थना

(1) आराधना में पवित्रशास्त्र के महत्व को दर्शाने वाले तीन उदाहरण की सूची बनाएँ।

- बाइबल आधारित आराधना में वचन का पढ़ा जाना महत्वपूर्ण था।
- बाइबल आधारित आराधना में वचन का प्रचार महत्वपूर्ण था।
- कलीसिया के इतिहास में वचन का प्रचार महत्वपूर्ण था।

(2) आराधना सभा के तीन भागों के नाम बताइए जिनमें पवित्रशास्त्र का उपयोग किया जा सकता है। (कोई तीन)

- सभा के आरंभिक शब्द
- दान/भेंट के लिए आमंत्रण
- संगीत के शब्द
- प्रार्थना

(3) *प्रवचन* को आराधना मानने के सिद्धांत की चार व्यावहारिक अर्थपूर्ण बातों की सूची बनाएँ।

- प्रचार के लिए सावधानीपूर्वक तैयारी की ज़रूरत होती है।
- प्रचार के लिए मण्डली से प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।
- प्रचार करने के लिए प्रचारक की ओर से प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।
- प्रचारक को पवित्र आत्मा द्वारा सामर्थी होना चाहिए।

(4) प्रार्थना को सार्वजनिक आराधना का एक सार्थक हिस्सा बनाने के लिए तीन व्यावहारिक सुझाव बताएँ। (कोई तीन)

- अपने व्यक्तिगत प्रार्थना जीवन को विकसित करें।
- प्रार्थना करना सीखें।
- बाइबल के वचनों से प्रार्थना करें।
- परमेश्वर के साथ बातचीत करने पर ध्यान केंद्रित करें।
- अपनी प्राथमिकताओं को परमेश्वर की प्राथमिकताओं के साथ मिलाएँ।
- परमेश्वर से बात करें, मंडली से नहीं।

(5) आराधनापूर्ण दान के बाइबल आधारित चार सिद्धांतों की सूची बनाएँ।

- आराधनापूर्ण दान दिया जाना अनुग्रह से उत्प्रेरित हो किसी भय से नहीं।
- आराधनापूर्ण दान दिया जाना प्रेम से उत्प्रेरित हो कुछ पाने की इच्छा से नहीं।
- आराधनापूर्ण दान दिया जाना उदारता से हो कंजूसी से नहीं।
- आराधनापूर्ण दान दिया जाना विनम्रता से हो घमण्ड से नहीं।

(6) दान को आराधना का कार्य बनाने के लिए चार व्यावहारिक विचार बताइए। (कोई चार)

- दान देने मे आराधना पर ज़ोर होना चाहिए, आवश्यकता पर नहीं।
- दान अपने आप में आराधना सभा का एक भाग होना चाहिए।
- माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को आराधना में दान देना सिखाएँ।
- दान के समय बजने वाला संगीत आराधना को दर्शाना चाहिए।
- दान लेने के बाद समर्पण की प्रार्थना की जानी चाहिए।
- कलीसिया के अगुए लोगों द्वारा दिए गए दानों के अच्छे प्रबंधक होने चाहिए।

(7) 1 कुरिन्थियों में स्वीकार किए गए प्रभु भोज के दो पहलुओं की सूची बनाएँ।

- हम मसीह की मृत्यु की ओर देखते हैं।
- हम मसीह की वापसी की प्रतीक्षा करते हैं।

(8) याद किया हुआ मत्ती 6:5-8 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 8

आराधना की योजना बनाना और उसकी अगुआई करना

(1) प्रवचन पर केन्द्रित आराधना संरचना में दो मुख्य भागों की सूची बनाएँ।

- सत्य की घोषणा: भजन, बाइबल वचन, प्रवचन
- सत्य के प्रति प्रतिक्रिया: आमंत्रण, दान, समापन भजन

(2) परमेश्वर के लोगों की आराधना में गतिविधि के आधार पर आराधना संरचना में चार मुख्य भागों की सूची बनाएँ।

- परमेश्वर के लोग एकत्रित होते हैं: आराधना के लिए बुलाहट, स्तुति-गीत, प्रार्थना
- परमेश्वर के लोग वचन सुनते हैं: बाइबल पठन और प्रवचन
- परमेश्वर के लोग वचन का उत्तर देते हैं: आमंत्रण-गीत, प्रार्थना, दान
- परमेश्वर के लोगों को भेजा जाता है: समापन भजन, आशीर्वाद

(3) भजन संहिता 95 पर आधारित आराधना संरचना में तीन मुख्य वर्गों की सूची बनाएँ।

- हर्ष और धन्यवाद के साथ प्रवेश करो: आराधना के लिए बुलावा, स्तुति के भजन
- श्रद्धापूर्ण आराधना जारी रखें: समर्पण के भजन, प्रार्थना
- परमेश्वर की आवाज़ सुनें: बाइबल पठन और प्रवचन

(4) संतुलित आराधना के विषय हमें कौन सी तीन बातें याद रखनी चाहिए?

- संतुलित आराधना परमेश्वर की महिमा और हमारे साथ उसकी उपस्थिति दोनों को दर्शाती है।
- संतुलित आराधना सामूहिक और व्यक्तिगत दोनों होती है।
- संतुलित आराधना में परिचित और नया दोनों शामिल हैं।

(5) बाइबल आधारित आराधना के आदर्श में, हमारी आराधना के दर्शक कौन हैं?

परमेश्वर

(6) एक प्रभावशाली आराधना अगुए के तीन गुण बताइए। (कोई तीन)

- आत्मिक परख
- संवेदनशीलता
- सहयोग
- ज्ञान
- बुद्धिमता
- धीरज
- विनम्रता
- रचनात्मकता
- अनुशासन
- उत्तमता

(7) वे तीन चिन्ह क्या हैं जिनसे पता चलता है कि हम आराधना को नियंत्रण कर रहे हैं? (कोई तीन)

- जब हम भावना को आराधना से नियंत्रण कर लेते हैं
- जब हम यह मान लेते हैं कि हृदय परिवर्तन के लिए उच्च भावना की स्थिति आवश्यक है
- जब हम किसी विशेष शारीरिक क्रिया को आराधना के बराबर मान लेते हैं
- जब हम किसी अन्य समय या स्थान पर परमेश्वर द्वारा किए गए कार्यों की नकल करने का प्रयास करते हैं
- जब हम अपनी सेवकाई को लोगों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने की अपनी क्षमता से मापते हैं

(8) याद किया हुआ 2 इतिहास 5:13-14 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 9

अन्य प्रश्न

(1) हमें उन आराधना प्रथाओं के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए जो हमारी सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को ठेस पहुँचाती हैं, परन्तु बाइबल के सिद्धांतों का विरोध नहीं करतीं?

हमें दूसरों को उनकी पसंद के अनुसार आराधना करने की अनुमति देनी चाहिए।

(2) हमें उन आराधना पद्धतियों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए जो हमारी संस्कृति में स्वीकृत हैं, परन्तु जो बाइबल के विपरीत हैं?

हमें अपनी संस्कृति की आशाओं के बजाय पवित्रशास्त्र का पालन करना चाहिए।

(3) हमारे चर्च की आराधना और आस-पास की संस्कृति के बीच संबंध को समझने के लिए हमें कौन से तीन प्रश्न पूछने चाहिए?

- यहाँ कौन है?
- यहाँ कौन था?
- यहाँ किसे होना चाहिए?

(4) रोमियों अध्याय14 से आराधना से संबंधित तीन सिद्धांत की सूची बनाएँ।

- संदिग्ध विषयों में दूसरों का न्याय न करें।
- निर्बलों के लिए ठोकर का कारण न बनें।
- विश्वास से कार्य करें, संदेह से नहीं।

(5) अंतर-पीढ़ी आराधना के लिए तीन बातों की सूची बनाएँ।

- बाइबल में, आराधना अंतर-पीढ़ीगत थी।
- अंतर-पीढ़ीगत आराधना मसीह की देह को एक रूप बनाती है।
- अंतर-पीढ़ीगत आराधना के द्वारा, विश्वास अगली पीढ़ी को हस्तांतरित होता है।

(6) आराधना में भावना से संबंधित दो गलतियाँ बताएँ।

- आराधना में भावना का इनकार करने की गलती
- आराधना में भावना पर अधिक जोर देने की गलती

(7) याद किया हुआ 1 कुरिन्थियों 14:15-17 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)

पाठ 10

आराधना की एक जीवनशैली

(1) याद किया हुआ 1 कुरिन्थियों 10:31 लिखें।

(याद किए गए पद को बाइबल के साथ तुलना करें)